श्रीमती एम.एम.के. वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय

अर्द्ध वार्षिक कृति पत्रिका - २०१८

विषय - हिंदी

कक्षा - १२वीं | अंक - ४०

दिनांक - 23/10/18 | समय - १ घंटा ३० मि.

सूचना-

१) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

२) सूचना के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

-: गद्य विभाग :-

प्र. १) क) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (२)

१) संजाल पूर्ण कीजिए-

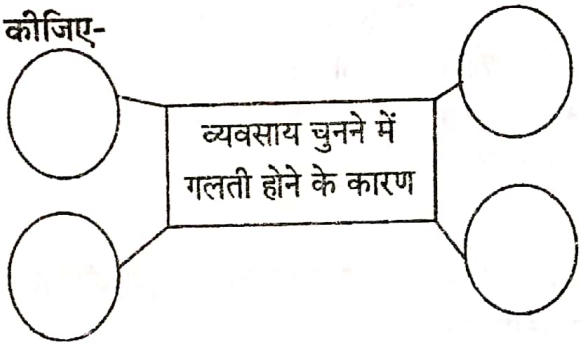

हमें किसी व्यवस्था के चुनने अथवा छोड़ने में चंचलता अथवा जल्दी नहीं करनी चाहिए। कभी-कभी जब मनुष्य अपने व्यवसाय में हजार प्रयत्न करने पर भी सफल नहीं होता तब उसे व्यवसाय बदलकर दूसरा चुनने की आवश्यकता अवश्य होती है। परंतु इससे यह भी सिद्ध होता है कि उसने व्यवसाय को चुनने में बड़ी गलती की। ऐसी गलतियाँ कई कारणों से बुरी संगति, अचानक घटना, माता-पिता की बुद्धिहीनता अथवा अधूरी शिक्षा के कारण बहुधा हुआ करती हैं। परंतु युवावस्था में मन बहुत चंचल रहता है। किसी काम को खूब सोच-समझकर करना चाहिए। प्राय: ऐसा भी देखा जाता है कि अनेक युवक उस कार्य करते हैं जिसमें वे कभी सफल नहीं हो सकते और कुछ युवक भ्रमवश उस व्यवस्था को छोड़ बैठते हैं जिसमें थोड़े ही अधिक परिश्रम से वे सफलीभूत हो जाते। ध्यान रखने की बात है कि जो व्यवसाय किसी भी दृष्टि से जितना ही अधिक अच्छा होगा, उसमें सफलता प्राप्त करने के लिए उतना भी अधिक समय और परिश्रम भी लगेगा। हाँ, जिस राह से हम जा रहे हैं उस राह में यदि सिंह मिल जाए तो हमारा यह सोचना बिलकुल स्वाभविक होगा कि उस रास्ते के सिवा संसार में अन्य किसी रास्ते में सिंह आ ही नहीं सकता, परंतु बिना परिश्रम के कुछ भी नहीं मिल सकता। इसलिए बाधाओं का सामना करते हुए अपने एक बार के चुने हुए व्यवसाय में दृढ़तापूर्वक लगे रहना श्रेयस्कर है।

Scanned by CamScanner

२) उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:- (१)

१) हमें किसी ..... के चुनने अथवा छोड़ने में चंचलता अथवा जल्दी नहीं करनी चाहिए।

१) कार्य २) व्यक्ति ३) व्यवसाय

१) युवावस्था में मन बहुत ..... रहता है।

१) चंचल २) अधीर ३) व्याकुल

३) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए:- (१)

१) मार्ग २) मेहनत

४) आप शिक्षा पूर्ण होने के बाद किस व्यवसाय को चुनना पसंद करेंगे? ८ से १० वाक्यों में अपने विचार व्यक्त कीजिए। (२)

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए:- (४)

१) 'युवा क्रांति के शोले' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

२) बुआजी के घर का वातावरण कैसा था? वर्णन कीजिए।

३) पौराणिक कथाओं में शनि का वर्णन किस रूप में पाया जाता है?

प्र.२) क) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

१) कृति पूर्ण कीजिए। (२)

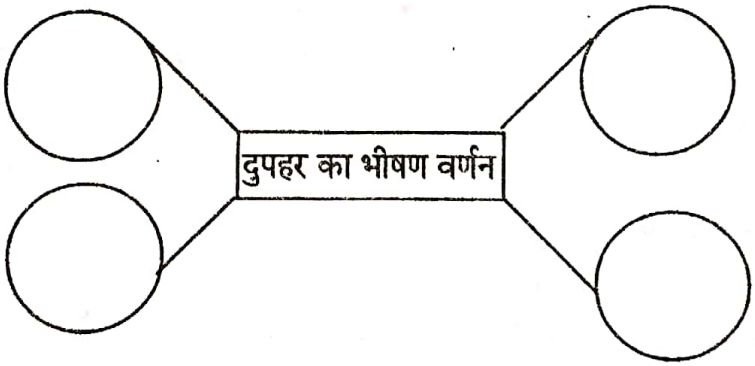

वह तोड़ती पत्थर
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर
वह तोड़ती पत्थर।
कोई न छायादार
पेड़ वह, जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,
श्याम तन, भर बँधा यौवन

Scanned by CamScanner

नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,
गुरू हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार
सामने तरु-मालिका, अट्टालिका प्राकार।

चढ़ रही धूप
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप,
उठी झुलसाती हुई लू,
रुई ज्यों जलती हुई भू,
गर्द चिनगी छा गई,
प्राय: हुई दुपहर;

२) उचित मिलान कीजिए:- (२)

तन	तथौड़ा
नयन	यौवन
भर बँधा	श्याम
गुरू	नत

हथौड़ा

३) उपर्युक्त पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में ८ से १० वाक्यों में लिखिए। (२)

-: द्रुत वाचन :-

प्र.३) परिच्छेद पढ़कर सूचना के आधार पर कृतियाँ कीजिए।

१) कारण लिखिए:- (२)

१) भीमराव पुरानी पुस्तकें खरीदते।

२) लाला लाजपत राय के प्रस्ताव को भीमराव ने अस्वीकार कर दिया।

कोलम्बिया यूनिवर्सिटी में इकॉनोमिक्स (अर्थशास्त्र) के प्रोफेसर सेलिग्मन भीमराव की प्रतिभा से बहुत अधिक प्रभावित थे। वे ही युवा भीमराव को ज्ञान के अन्वेषण में दिशादर्शक का काम करते थे। भीमराव अंबेडकर के अध्ययन का विषय था-'प्राचीन भारत में व्यापार।' एम.ए. की उपाधि के लिए वे सामग्री जुटा रहे थे। १९१५ में इसपर उन्हें यह उपाधि कोलम्बिया यूनिवर्सिटी से मिली। इसके लिए उन्होंने बड़ी किताबें जमा कीं। किताबें खरीदने का उनको बड़ा शौक था, पर जेब में पैसे नहीं थे। वे पुरानी पुस्तकें खरीदते। उन किताबों की दुकानों के चक्कर काटते। दुर्लभ ग्रंथ वहाँ रास्ते में मिलते। उनके और

Scanned by CamScanner

कोई शौक नहीं थे। मनोरंजन का कोई और ढंग भीमराव को पसंद नहीं था। किताबें पढ़ना और अध्ययन में डूबे रहना, यही उनका एकमात्र शगल था।

१९१४ में लाला लाजपत राय अमेरिका गए थे। वहीं क्रांतिकारी हरदयाल और मानवेंद्र नाथ राय की उनसे मुलाकात हुई थी। लाला लाजपत राय की 'इंडियन होम रूल्स लीग ऑफ अमेरिका' की उन्होंने स्थापना की। वे चाहते थे कि उस समय अमेरिका में पढ़ने वाले भारतीय विद्यार्थी उनको लीग में सहायता दें। भीमराव अंबेडकर के प्रोफेसर सेलिग्मन लालाजी के दोस्त थे। सेलिग्मन ने लाला जी से कहा-'अंबेडकर न केवल भारतीय विद्यार्थियों में, परंतु अमेरिकन विद्यार्थियों में भी सबसे अधिक बुद्धिमान और परिश्रमशील छात्र हैं।' सो लालाजी ने अंबेडकर से बहुत कहा- परंतु अंबेडकर ने साफ-साफ कह दिया कि 'मेरा उद्देश्य है, अध्ययन करना। मैं और किसी राजनैतिक या अन्य कार्य में भाग नहीं लूँगा।'

२) ज्ञान प्राप्ति के लिए लगन, परिश्रम एवं अभ्यास का क्या महत्त्व है? अपने शब्दों में १० से १२ वाक्यों में स्पष्ट कीजिए। (२)

-: व्याकरण विभाग :-

प्र.४)१) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (२)

१) मैं यहीं बैठकर तेरा गाना सुनूँगा। (अपूर्ण भूतकाल)

२) दिन-रात काम करने से जी ऊब गया था। (सामान्य वर्तमान काल)

३) लोग स्वदेशभक्ति की चर्चा करते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

२) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो के रचनानुसार भेद लिखिए। (२)

१) बहुत से मनुष्य सुख का अर्थ नहीं समझते।

२) हमारी सरकार ने नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था कर रखी है और बच्चों को स्कूल न भेजना कानूनन अपराध भी है।

३) उस दिन पहली बार लगा कि उनकी भयंकर कठोरता में कहीं कोमलता छिपी है।

३) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (२)

१) डींग हांकना २) काला अक्षर भैंस बराबर

३) हिदायत देना ४) आनाकानी करना

४) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए:- (१)

१) मनुष्य २) आलसी

Scanned by CamScanner

५) निम्नलिखित में से किसी एक का विशेषण रूप लिखिए:- (१)

१) आकर्षण २) बुढ़ापा

६) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए:- (२)

१) शनि सौरमंडल की सबसे खूबसूरत ग्रह है।

२) मैं एक आदमी, सात बच्चे लाया है।

३) अब मैंने दीन-भर के झँझटों से छुट्टी पाई।

-: रचना विभाग :-

प्र.५) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर २५० से ३०० शब्दों में (१०)
निबंध लिखिए:-

१) मुंबई महानगर की बरसात का जनजीवन पर प्रभाव।

२) मीडिया का बढ़ता प्रभाव।

३) नदी की आत्मकथा।

४) मेरा जीवन लक्ष्य।

Scanned by CamScanner